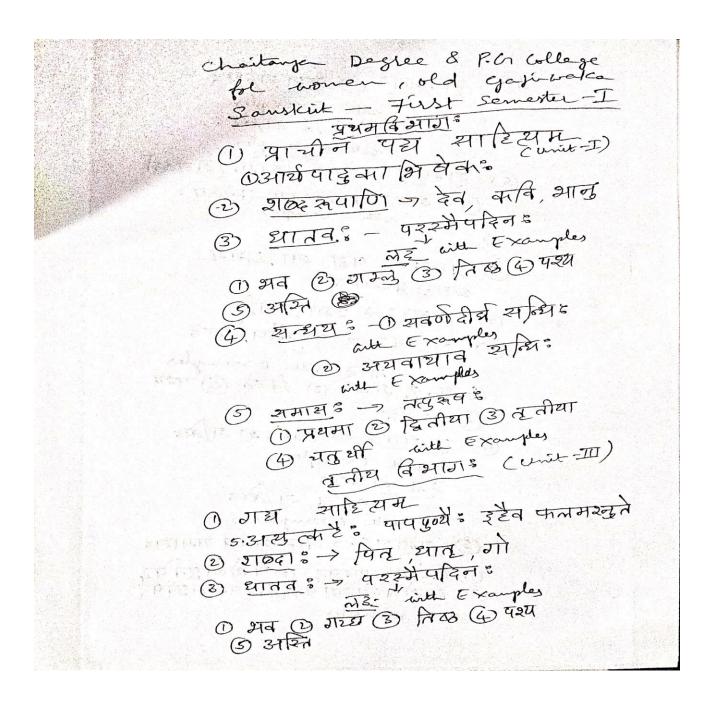
CHAITANYA DEGREE AND PG COLLEGE FOR WOMEN

DEPARTMENT OF SANSKRIT

CURRICULUM PLAN

SEM-I



(4) सन्धयः 3 गुणसन्धः Att Examples कांध Examples तस्रमाझः -> (5) पत्रामी (6) स्टर्ज (7) सत्तमी (8) नम् तस्रमः 1) प्राचीन पद्य साहित्यम 2. यहां भेरना ह शाहराः > रमा, मति 3 ETTARS - 9 922249/2015 B 210 1250 3 A 03 (4) 924 3 अ हिन (4) सन्धय = > यलादेश सन्धिः with Examples Ent 27 Feet 5 35 Cd 27 Feet 5 with Examples समास 6→ कर्मधाश्य समास ति क्रेमण भ्रवेषद
ति क्रेमण भ्रवेषद with Examples OBLIRE O

- 3 -0 गद्य साहिसम 6: श्रू इस वीरबर कथा - हिताप्रेशः - नाशयण, पण्डितः (2) धातनः -> प्रस्मेपदिनः (1) 217 (2) 21260 (3) TA 23 (4) 4.201 3 सन्धयः -> रहत सन्धः with Examples 31 of of 121 21 for 3 with Examples (4) समासः > (5) उपमानो त्तरपदः © सम्भावनाध्वेषद म अवधारणाष्ट्रविषद that Elliza Ziall 21 : कर्ममास स्प्रकामण किंग्रे समास : कंतीय विभाग: (unit-II) हितीय विभाग: (unit-II) 2 21773 - 42794 473
2 21773 - 42794 473
3 221729
1 21 4 221
2 21 4 221
2 21 4 221
2 21 4 221
2 21 4 221
2 21 4 221
2 21 4 221 3 समासः -> द्वन्द्रसमासः Sigo Frazi with Examples

-4 आधुनिक पद्य साहित्यम () विवेकालन्द स्त्रक्तयः () धातवः -> आत्मनेपदिनः ME M3: MTE ARAJ: with Examples OMPT @ 21TH 3 HIG 116 60

SEM-II

Chaitanye Peglee & P.G. College for women, old Gegejubraka Sansterit - Se and semester -II प्रथम (ते भागः (Unit-I) 0 प्राचीन पद्य काव्यम 1) इन्दुमती स्वयंवरम 2 राज्याः > नदी, तन्द्र, वधू 3 द्यातव: > प्रस्मेपविनः ा इर्ग्स् (ते () क्रिये () कार्य () कार्य () कार्य () कार्याते () इर्ग्स्टाते () क्रिये () कार्यते () क्रीग्राते () नोर्य () कार्यव () जार्याता (3) FORTH : > mit Examples 331017 21 621 ° (3105 on plan Aren 21 Firs) with Examples 21 ATT 21 P (5) समासाह) (1) तिभक्यर्थाः (2) समीप 3 मम् दि कि व्युद्धि कि अस्माव ३ कि असमः (fors) with Examples त्तीय विभागः (unit-III) अवनियुद्धरीमधा - दशकुमारचरितम @ शब्दा : -> मात्, मात्, वन 3 धातनः -> परस्मैपदिनः 73: लेखे

- 2 -Examples एविव्यति, मेरिनव्यति, कटिव्यति केव्यति, गोर्शियति, का धरिव्यति रोर्ट्स्त, अत्रियत, अमरोत अक्रीणत, अच्चीरयत, अक्रथयत-अनुस्वार सहितः अनुस्वार सहितः विसगसितः – विसगति सहितः स्हायः -विस्रग्ताप सम्दिः समायाः (म) अर्थ प्रति (अनीनियें) @ 2102 प्राद्धभनिः @ प्रतत 10 योग्यार्थ 10 दीट्या त्तीय विभागः (unit-III) JISt of TOU H गारूद ते महितम शब्दाह - कारि, मधु धातन - परस्यिन F a pratise इच्छत, तिरबत, सरोत, कीणातु चोर्यतु, मधयतु

SEM-III

chaitange Deglee & P.G. College for women, old Gaginbroke Sanskirt — Third semester - III HARASTAT: (Unit-I) प्राचीन रूपने विभाग : मध्यमव्यायोगः 31 2:12: -(1) 3441 MZ: 12 8 2) 310/00/21/ ml Zi 12: O पाणिनिः @ सोटिल्यः ठयाम २ण विभागः -शब्दाः — () जनस्य @ जान @ सन्त दितीय विश्वागः (Unit-II) सर् जी के भी 3 m ziz: -3 उत्प्रभा नड्रा?ः (4) alyan marite : महा क भारत मारः विभागः 3 भरतमुनिः (4) भारविः व्याक्तरण विभागः --शबाः — @ भगवत 9 भवत (6) 42A

-2-त्रीय (व 217): (Unit-II) उपनिषद विभागः 317 3:12: 5 अप्रस्तृतप्रयोसालद्वारः 6) Z221011 MZ:12: सहायविशास्त्रमारः विभागः S माधः C अवभूतिः 02/4/201 (ते भागः -श्राव्हाः - 7 शामन छ गुरुणिन छ नामन ति तीय ति भाग है (Unit-II) भगवझीता - अद्धात्रय विभागयोगः 31 13:12:0-(F) उल्लेखाल द्वारः 8 अर्थालारन्यासालद्वारः महाकविशास्त्रकारः विभागः मि शादुः रान्यार्थः 8 दण्डी ठयाया२०१तिभागः श्राव्याः - (0) विद्वेस् शब्दाः - (1) मनस् (1) मनस् (12) अस्मद (13) युष्मद